

अमेरिकी सीनेटरों ने बीजिंग यात्रा से पहले लिंकेन को लिखा पत्र, कहा- भारत, ताइवान के खिलाफ चीन की आक्रमकता 'अस्वीकार्य'

फ्लॉरिडा। फ्लॉरिडा के मार्को रुबियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन सीनेटरों ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी बिल्कन को ताइवान और भारत के खिलाफ चीन की आक्रमक आक्रमकता के बारे में पत्र लिखा है। पत्र द्वेजी सचिव जेनेल को भी संबोधित किया गया था, जो बिल्कन के साथ बीजिंग जाने के लिए तैयार है। लिंकेन 2018 के बाद से बीजिंग का दौरा करने वाले पहले शीर्ष अमेरिकी राजनयिक होंगे। पत्र के अनुच्छेद रिपब्लिकन सांसदों ने बिल्केन और येलेन से चीनी नेतृत्व के बाहर बताने का अग्रह किया है कि लिंकेन यूके ताइवान और भारत के खिलाफ उपकी आक्रमकता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इसके अलावा, सीनेटरों ने दोनों नेताओं से अग्रह किया है कि वे चीनी कून्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को रोके और सीसीपी को उसके इंडो-पैसिफिक में घोषणावादिकारों के हान, अनुच्छेद व्यापार प्रथाओं, फेनेवाइल संकट में अग्रणी भूमिका और सहयोगियों और भारीदारों के प्रति आक्रमकता के लिए जवाबदेह रहाएं।

चीन के खिलाफ मुद्दा

भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां संसाधन संपत्ति क्षेत्र में चीन की बढ़ती सेव्य पैरेवाजी की पृष्ठभूमि के खिलाफ एक स्वतंत्र, खुले और संकर हिंदू-प्रशांत को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। चीन ताइवान, फिलीपीन्स, बुर्नेन्स, मलेशिया और वियतनाम के माध्यम से लापान सभी विवादित दिल्लियों का साथ दिल्लियों और भारीदारों के प्रति आक्रमकता के लिए जवाबदेह रहाएं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी लिंकेन ने पेशावर में आतंकवादी हमले की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी लिंकेन ने पाकिस्तान के पेशावर की एक मस्जिद में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि अमेरिका हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान के साथ "खड़ा" है। लिंकेन ने एक बयान में कहा, "अमेरिका 30 जनवरी को पेशावर के पुलिस लाइंस जिले की एक मस्जिद में हुए बम विस्फोट की कड़ी निंदा करता है।" लिंकेन ने कहा, "हाँ, आतंकवाद के इस मुख्तारपूर्ण खड़े के कारण अपनी जांचने वाले लोगों के परिवर्तों के प्रति अपनी गर्वी संवेदना व्यक्त करते हैं।" पाकिस्तान में असांत खेड़ पक्षनाखा प्रांत के पेशावर में उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में खाचाखच भरी एक मस्जिद में सोमवार को दोपहर की नमाज की दौरान एक तालिबानी आत्मवानी हमलावर द्वारा विस्फोट कर खुद को उड़ा लेने से 101 लोगों की मौत हो गयी जबकि 200 से अधिक अन्य लोग घायल हो गये। प्रतिवर्धित हरीहरी-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

इज़राइली विमानों ने हमास के एक ठिकाने को बनाया निशाना, किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं

तेल अवीव। इज़राइली विमानों ने बृहस्पतिवार को गाजा पट्टी में एक उग्रवादी ठिकाने को निशाना बनाया। फलस्तीनी उग्रवादियों के इज़राइल के दक्षिण में एक रोकेट दागने के कुछ घटे बाद यह कारबाईं की गई। इज़राइल की सेना ने यह जानकारी दी। इज़राइल की सेना ने कहा कि हवाई हमलों में उग्रवादी सम्पूर्ण हमास की एक 'रोकेट निर्माण कार्यालय' (गाजा के बाहरी क्षेत्रों में) को निशाना बनाया गया। वहां कच्चे रासायनिक पदार्थ का भड़ारण किया जाता था। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

सेना ने बताया कि इससे पहले इज़राइल की बायु रक्षा प्रणाली ने बुधवार दर रात गाजा की ओर से दागे गए एक रोकेट को मार गिराया था। एकेंवर्स बैक में एक सेव्य अधियान में पिछले सप्ताह 10 फलस्तीनियों को मार गिराये के बाद, गाजा उग्रवादियों और इज़राइल ने पिछले सप्ताह रोकेट तथा हवाई हमलों को अंजाम दिया जिससे इलाके में कई महीनों से कायम शांति एक बार फिर भांग हो गई थी। इज़राइल में स्थानीय लोगों ने विस्फोटों की आवाज सुनने की बात कही। इज़राइल की राहत कार्य सेवा के अनुसार, उसे 50 वर्षीय महिला के अलावा किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है। महिला एक उग्रवादी की तरफ जांच समय फिल्सल कर गिर गई थी। हमास ने गाजीय सुरक्षा मंत्री इतामर बेन-गिर के आक्रमण स्तर को लेकर इज़राइल का धमकी दी थी, जिसके बाद यह कारबाईं की गई। बेन ने इज़राइल के जेलों में बंद फलस्तीनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का बाद किया था।

</